International Journal of Scientific Research in Engineering and Management (IJSREM)
Volume: 09 Issue: 11 | Nov - 2025 SJIF Rating: 8.586 ISSN: 2582-3930

जनपद आजमगढ़ में स्टार्टअप कार्यक्रम के द्वारा रोजगार सृजन में निजी बैंकों की भूमिका

शौनक साहू
शोध छात्र
डी ए वी पी जी कॉलेज
आजमगढ़

शोध निर्देशक
प्रो. दिनेश कुमार तिवारी

सारांश

आजमगढ़ जनपद उत्तर प्रदेश का एक महत्वपूर्ण जिला है जहाँ युवा बेरोजगारी एक गंभीर समस्या बनी हुई है। प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (PMEGP) जैसी योजनाओं के माध्यम से स्टार्टअप को बढ़ावा देने में निजी बैंकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो गई है। यह शोधपत्र आजमगढ़ में स्टार्टअप कार्यक्रमों के जरिये रोजगार सृजन में निजी बैंकों के योगदान का विश्लेषण करता है और उनकी भविष्य की संभावनाओं को रेखांकित करता है।

मुख्य शब्द: स्टार्टअप, निजी बैंक, रोजगार सृजन, PMEGP, आजमगढ़

1. प्रस्तावना

भारत में बेरोजगारी की समस्या विशेषकर ग्रामीण और अर्द्धशहरी क्षेत्रों में चिंता का विषय बनी हुई है। आजमगढ़ जिला पूर्वी उत्तर प्रदेश में स्थित है और यहाँ की अधिकांश जनसंख्या कृषि और छोटे-मोटे व्यवसायों पर निर्भर है। युवा वर्ग के लिए आजमगढ़ में पारंपरिक रोजगार के अवसर सीमित हैं, जिससे पलायन की समस्या बढ़ रही है।

इसी समस्या का समाधान करने के लिए भारत सरकार द्वारा विभिन्न स्टार्टअप योजनाएं चलाई जा रही हैं। इन योजनाओं के सफल कार्यान्वयन में बैंकिंग सेक्टर की महत्वपूर्ण भूमिका है। निजी बैंकों ने, सार्वजनिक बैंकों के साथ-साथ, स्टार्टअप को वित्तीय सहायता प्रदान करके स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

यह शोधपत्र आजमगढ़ जनपद में निजी बैंकों द्वारा स्टार्टअप योजनाओं के माध्यम से किए गए रोजगार सृजन के प्रयासों, उनकी सफलताओं और चुनौतियों का गहन विश्लेषण प्रस्तुत करता है।

2. अनुसंधान के उद्देश्य

1. आजमगढ़ में स्टार्टअप से संबंधित विभिन्न योजनाओं का विश्लेषण करना।
2. इन योजनाओं के कार्यान्वयन में निजी बैंकों की भूमिका को समझना।
3. निजी बैंकों द्वारा प्रदत्त वित्तीय सहायता का आकलन करना।
4. रोजगार सृजन के परिणामों और प्रभावों का मूल्यांकन करना।
5. चुनौतियों की पहचान और सुधार के सुझाव देना।

3. आजमगढ़ का सामाजिक-आर्थिक परिप्रेक्ष्य

आजमगढ़ जिला लगभग 4,415 वर्ग किलोमीटर के क्षेत्र में विस्तृत है और यहाँ की जनसंख्या लगभग 45 लाख है। यह जिला ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व रखता है, किंतु आर्थिक विकास की दृष्टि से यह पिछड़े जिलों में से एक है।

जनसंख्या विश्लेषण: आजमगढ़ की कुल जनसंख्या में लगभग 45% जनसंख्या 15-60 वर्ष की आयु वर्ग में है, जो कार्यबल का प्रतिनिधित्व करती है। इस विशाल कार्यबल के लिए रोजगार के अवसर सृजित करना जिले का एक प्रमुख चुनौती है।

आर्थिक संरचना: आजमगढ़ की अर्थव्यवस्था मुख्यतः कृषि पर निर्भर है। यहाँ गन्ना, गेहूँ, चावल और दलहन की खेती होती है। साथ ही, जिले में हाथ की बनी वस्तुओं (हस्तशिल्प), बीड़ी और छोटे-मोटे उद्योगों का विकास हुआ है।

बेरोजगारी दर: जिले में बेरोजगारी दर राष्ट्रीय औसत से अधिक है। विशेषकर शिक्षित युवाओं में बेरोजगारी की समस्या गंभीर है, जिससे पलायन की समस्या उत्पन्न होती है।

4. स्टार्टअप योजनाएं और उनके उद्देश्य

4.1 प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (PMEGP)

प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम 2008 में शुरू किया गया था। यह योजना स्वरोजगार के अवसर प्रदान करके बेरोजगारी को कम करने का लक्ष्य रखती है।

PMEGP की विशेषताएं:

- यह योजना ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में लागू है।
- योजना के तहत 10 लाख रुपये तक का ऋण प्रदान किया जाता है।
- विभिन्न कारोबारों के लिए भिन्न-भिन्न सब्सिडी दरें हैं।
- ग्रामीण क्षेत्रों में 25% सब्सिडी और शहरी क्षेत्रों में 15% सब्सिडी प्रदान की जाती है।

4.2 स्टार्टअप इंडिया योजना

भारत सरकार द्वारा 2015 में 'स्टार्टअप इंडिया' पहल की शुरुआत की गई। इस योजना का उद्देश्य उद्यमिता को बढ़ावा देना और नौ लाख नई नौकरियाँ सृजित करना है।

मुख्य लाभ:

- कम से कम 3 वर्षों के लिए आयकर से छूट।
- पेटेंट फाइलिंग फीस में 80% की छूट।
- विभिन्न सरकारी योजनाओं के तहत सहायता।
- बैंकों से आसानी से ऋण प्राप्ति।

4.3 अन्य महत्वपूर्ण योजनाएं

स्टैंड-अप इंडिया, MUDRA योजना, और अन्य केंद्रीय योजनाएं भी आजमगढ़ में कार्यान्वित की जा रही हैं। ये सभी योजनाएं स्टार्टअप को वित्तीय सहायता प्रदान करके रोजगार सृजन में सहायक हो रही हैं।

5. निजी बैंकों की भूमिका और योगदान

5.1 ऋण वितरण में भूमिका

निजी बैंकों ने स्टार्टअप योजनाओं के अंतर्गत उल्लेखनीय ऋण वितरण किया है। आजमगढ़ में HDFC बैंक, ICICI बैंक, ऐक्सिस बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक जैसे प्रमुख निजी बैंकों ने सक्रिय भूमिका निभाई है।

ऋण वितरण की प्रक्रिया:

- आवेदक को अपने व्यवसायिक प्रस्ताव के साथ बैंक को आवेदन करना होता है।
- बैंक योजना की पात्रता मानदंडों के अनुसार आवेदन का मूल्यांकन करता है।
- अनुमोदन के बाद, निर्धारित मार्जिन पर ऋण राशि जारी की जाती है।
- सब्सिडी सीधे बैंक खाते में जमा की जाती है।

5.2 प्रशिक्षण और सलाह सेवाएं

निजी बैंक केवल वित्तीय सहायता तक सीमित नहीं रहे हैं। वे उद्यमियों को प्रशिक्षण और व्यावसायिक सलाह भी प्रदान करते हैं। आजमगढ़ में कई निजी बैंकों ने:

- व्यवसायिक योजना विकास में सहायता
- लेखांकन और वित्तीय प्रबंधन प्रशिक्षण
- डिजिटल साक्षरता कार्यक्रम
- बाजार संबंधी जानकारी साझा करना

ये सेवाएं स्टार्टअप के सफल होने की संभावना को बढ़ाती हैं।

5.3 डिजिटलीकरण में सहायता

आधुनिक समय में निजी बैंकों ने डिजिटल बैंकिंग और ई-कॉमर्स समाधान प्रदान करके स्टार्टअप को सहायता दी है। इससे उद्यमियों को:

- ऑनलाइन भुगतान सेवाएं
- मोबाइल ऐप्लिकेशन का उपयोग
- डिजिटल विपणन के लिए प्लेटफॉर्म

ये सुविधाएं मिली हैं, जिससे उनके व्यवसाय का विस्तार हुआ है।

6. रोजगार सृजन के परिणाम

6.1 प्रत्यक्ष रोजगार

निजी बैंकों द्वारा समर्थित स्टार्टअप ने आजमगढ़ में हजारों नई नौकरियाँ सृजित की हैं। ये नौकरियाँ विभिन्न क्षेत्रों में हैं:

- कृषि आधारित उद्योग
- हस्तशिल्प और वस्त्र उद्योग
- खाद्य प्रसंस्करण
- सेवा क्षेत्र
- IT और डिजिटल सेवाएं

6.2 अप्रत्यक्ष रोजगार

इन स्टार्टअप के विकास से आपूर्ति श्रृंखला, वितरण और सहायक सेवाओं में भी अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित हुए हैं। स्थानीय आपूर्तिकर्ता, परिवहन, और खुदरा विक्रेताओं को भी लाभ मिला है।

6.3 महिला सशक्तिकरण

निजी बैंकों द्वारा समर्थित योजनाओं ने विशेषकर महिलाओं के लिए स्वरोजगार के अवसर सृजित किए हैं। आजमगढ़ में महिला-केंद्रित स्टार्टअप में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है, जैसे:

- महिला स्वयं सहायता समूह
- खाद्य उद्योग
- वस्त्र और हस्तशिल्प व्यवसाय

7. सफलता के केस अध्ययन

7.1 कृषि आधारित स्टार्टअप

आजमगढ़ के कई किसान ने निजी बैंक ऋण के माध्यम से अपने कृषि कार्यों को आधुनिक बनाया है। जैविक खेती, बागवानी, और पशुपालन में उनके निवेश से न केवल उनकी आय में वृद्धि हुई है, बल्कि स्थानीय श्रमिकों के लिए भी रोजगार सृजित हुए हैं।

7.2 हस्तशिल्प उद्योग

आजमगढ़ की हस्तशिल्प परंपरा को आधुनिक बैंकिंग सहायता मिलने से उद्योग में पुनरुद्धार हुआ है। छोटे दस्तकारों ने निजी बैंकों से ऋण लेकर:

- उत्पादन क्षमता में वृद्धि
- गुणवत्ता में सुधार
- बाजार तक पहुँच में सुधार

ये सभी लाभ प्राप्त किए हैं।

7.3 डिजिटल और सेवा क्षेत्र

युवा उद्यमियों ने निजी बैंकों के समर्थन से:

- डिजिटल मार्केटिंग एजेंसियाँ
- ऑनलाइन शिक्षा प्लेटफॉर्म
- आईटी समाधान सेवाएं

आदि शुरू किए हैं, जिससे शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में नई नौकरियाँ सृजित हुई हैं।

8. निजी बैंकों द्वारा सामना की गई चुनौतियाँ

8.1 ऋण की वसूली में समस्या

स्टार्टअप के उच्च जोखिम के कारण, निजी बैंकों को ऋण वसूली में समस्या का सामना करना पड़ता है। आजमगढ़ में भी कई स्टार्टअप विफल हो गए हैं, जिससे बैंकों को ऋण हानि का सामना करना पड़ा है।

8.2 उद्यमी की क्षमता का सवाल

कई आवेदकों के पास उद्यमिता कौशल और व्यावसायिक ज्ञान की कमी होती है। यह समस्या ऋण के दुरुपयोग की संभावना बढ़ाती है।

8.3 बुनियादी ढाँचे की कमी

आजमगढ़ में कई स्थानों पर बिजली, जल, सड़क आदि की अपर्याप्त सुविधाएं स्टार्टअप के विकास में बाधा डालती हैं।

8.4 बाजार तक पहुँच

छोटे स्टार्टअप को अपने उत्पादों को बड़े बाजार तक पहुँचाने में कठिनाई होती है, जिससे उनकी वृद्धि सीमित रहती है।

9. सुधार के सुझाव और सिफारिशें

9.1 प्रशिक्षण कार्यक्रमों का विस्तार

निजी बैंकों को:

- उद्यमिता विकास कार्यक्रम
- वित्तीय साक्षरता पाठ्यक्रम
- तकनीकी कौशल प्रशिक्षण

आदि को व्यापक बनाना चाहिए।

9.2 परिमाप बीमा योजनाएं

स्टार्टअप की विफलता के जोखिम को कम करने के लिए उचित बीमा योजनाएं लागू की जानी चाहिए।

9.3 मेंटरशिप कार्यक्रम

अनुभवी उद्यमियों को नए स्टार्टअप के साथ जोड़ने के लिए मेंटरशिप कार्यक्रम शुरू किए जाने चाहिए।

9.4 बाजार संपर्क में सुधार

निजी बैंकों को स्टार्टअप को बड़े खरीदारों, निर्यातकों और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म से जोड़ने में मदद करनी चाहिए।

9.5 सहकारी दृष्टिकोण

बैंकों को सरकारी एजेंसियों, **NGO** और स्थानीय संगठनों के साथ मिलकर काम करना चाहिए।

10. निष्कर्ष

आजमगढ़ जैसे जिलों में स्टार्टअप कार्यक्रमों के माध्यम से रोजगार सृजन में निजी बैंकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण साबित हुई है। ये बैंक केवल वित्तीय सहायता तक सीमित नहीं रहे, बल्कि प्रशिक्षण, सलाह और डिजिटल समाधान भी प्रदान कर रहे हैं।

हजारों छोटे उद्यमियों को इन बैंकों के समर्थन से अपने व्यवसाय शुरू करने का अवसर मिला है। इससे न केवल स्थानीय अर्थव्यवस्था को बल मिला है, बल्कि युवाओं का पलायन भी कम हुआ है और महिलाओं का सशक्तिकरण भी हुआ है।

हालांकि, अभी भी कई चुनौतियाँ बाकी हैं। ऋण की वसूली, बुनियादी ढाँचे की कमी, और बाजार तक पहुँच जैसी समस्याओं का समाधान करना आवश्यक है। निजी बैंकों, सरकार, और स्थानीय समुदाय के सहयोग से ही ये समस्याओं का समाधान संभव है।

भविष्य में, यदि सही नीतियों और समन्वय के साथ काम किया जाए, तो आजमगढ़ स्टार्टअप और रोजगार सृजन का एक प्रमुख केंद्र बन सकता है। निजी बैंकों को इस यात्रा में अग्रणी भूमिका निभानी होगी और स्थानीय समुदाय के विकास के लिए प्रतिबद्ध रहना होगा।

संदर्भ

1. भारत सरकार, **PMEGP** आधिकारिक वेबसाइट
2. डिपार्टमेंट ऑफ इंडस्ट्रियल पॉलिसी एंड प्रमोशन, स्टार्टअप इंडिया
3. भारतीय रिजर्व बैंक, बैंकिंग विनियमन दिशानिर्देश
4. आजमगढ़ जिला आर्थिक सर्वेक्षण, **2023-24**
5. राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण संगठन, रोजगार डेटा